

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3479

HC

Unique Paper Code : 12137908

Name of the Paper : Fundamentals of Aayurveda

Name of the Course : B.A. (H) Sanskrit CBCS (SEC)  
DSE-II

Semester : V

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Every question contains the same marks.
3. Answer any five questions.
4. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न समानाङ्क हैं।

P.T.O.

3479

2

3. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
4. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. आयुर्वेद के प्रमुख आचार्यों का उल्लेख करते हुए उनके योगदान को स्पष्ट कीजिए। (15)

Name the prominent Acharyas of Ayurveda & explain their contribution.

2. आयुर्वेद की धन्वन्तरि परम्परा के प्रमुख आचार्यों का विस्तृत वर्णन कीजिए। (15)

Write a comprehensive note on the main Acharyas of Dhanvantari tradition of Ayurveda.

3. किन्हीं तीन पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए : (15)

Write short notes on any three of the following :

हंसोदक (Hansodaka),

संवत्सर (Samvatsara),

षड् ऋतवः (Shad Ritvah),

आदानकाल (Aadanakala)

4. हेमन्त ऋतु में हमारा भोजन किस प्रकार होना चाहिये ? संक्षेप में लिखिए ।  
(15)

What kind of food one should take in हेमन्त ऋतु ? Discuss briefly.

5. किन्हीं तीन पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए : (15)

Discuss on any **three** of the following :-

वाग्भट (Vagbhata),

शाङ्गधर संहिता (Sharangdhar Samhita),

सुश्रुत (Shusruta),

भावमिश्र (Bhava Mishra)

6. वसन्त ऋतु में पथ्यापथ्य पर प्रकाश डालिए । (15)

Explain the wholesome & unwholesome diet in spring season.

7. तैत्तिरीयोपनिषद् की भृगुवल्ली के अनुसार प्राण एवं अन्न की महत्ता पर प्रकाश डालिए । (15)

Write the importance of life (प्राण) & food (अन्न) according to Bhriguvalli of Tattiriyopanishad.